उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक – काझी मकदूम शफीउद्दीन

बीड (महाराष्ट्र) वर्ष - 1 ला अंक - १४२ वा शनिवार २१ दिसंबर २०२४ TITLE CODE : MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत २ रुपये पन्ने - ४

बीड में दोषियों के खिलाफ मकोका के तहत कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक का तबादला

मुख्यमंत्री की घोषणा

परभणी मामले की न्यायिक जांच और बीड़ में एसआईटी जांच मृतकों के परिवारों को 10 लाख की सहायता

जमीर काझी

नागपुर, 20 दिसंबर : बीड़ और परभणी जिलों में हुई हिंसा और पुलिस अत्याचारों ने पूरे महाराष्ट्र में आक्रोश फैला दिया है। नागपुर में जारी शीतकालीन सत्र में यह मुद्दा छाया रहा, जहां सभी दलों के विधायकों ने पिछले चार दिनों से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आज एक बड़ा ऐलान किया।

बीड़ जिले के हत्या मामले में न्यायिक जांच और एसआईटी के माध्यम से दोहरी जांच होगी। परभणी मामले में न्यायिक जांच की जाएगी। इसके साथ ही बीड़ में मारे गए सरपंच संतोष देशमुख और परभणी में मारे गए सोमनाथ सूर्यवंशी के परिवारों को 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। बीड़ मामले की न्यायिक और एसआईटी जांच के साथ ही बीड़ के पुलिस अधीक्षक अविनाश बारगल का तत्काल तबादला किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने परभणी के पुलिस निरीक्षक अशोक घोरबंद को निलंबित करने की घोषणा की और यह जांच की जाएगी कि क्या उन्होंने घटना के दौरान अत्यधिक बल प्रयोग किया। विधानसभा में बीड़ और परभणी की घटनाओं

पर हुई संक्षिप्त चर्चा का उत्तर देते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, "परभणी की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। भारतीय संविधान का अपमान, सभी भारतीयों का अपमान है, और इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। परभणी की घटना एक मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्ति ने की थी, जो मेडिकल रिपोर्ट से भी स्पष्ट है। इस मामले में सभी राजनीतिक दल तनाव कम करने की कोशिश करेंगे।" परभणी की घटनाओं पर उन्होंने स्पष्ट किया कि यह हिंदू-दलित दंगा नहीं था, बल्कि सामान्य हिंदू समाज मोर्चा द्वारा बांग्लादेश में हिंदुओं की स्थिति पर आधारित सर्वदलीय आंदोलन था। हालांकि, परभणी में हुई तोड़फोड़ से दुकानों, वाहनों और सरकारी कार्यालयों को नुकसान पहुंचा। मुख्यमंत्री ने बीड़ में अपराध पर लगाम लगाने के लिए अभियान चलाने की घोषणा की और कहा कि जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बीड़ में निवेश करने वाली अवाडा ग्रीन एनर्जी कंपनी के मामले में उन्होंने बताया कि कुछ लोगों ने कंपनी का काम अपने पास लेने या फिरौती की मांग की थी। बीड़ मामले के मास्टरमाइंड के खिलाफ मकोका के तहत कार्रवाई की जाएगी।

धनंजय मुंडे और वाल्मीकि को बचाने की कोशिश: विपक्ष का गंभीर आरोप

नागपुर : बीड़ और परभणी में हुई घटनाओं ने महाराष्ट्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति को हिला दिया है। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सीधे जवाब देने से बचते हुए अपने मंत्री धनंजय मुंडे और आरोपी वाल्मीकि कराड को बचाने की कोशिश की। विवाद बढ़ गया जब विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने मुख्यमंत्री के जवाब के दौरान विपक्ष को बोलने का मौका नहीं दिया, जिससे नाराज होकर विपक्ष ने सदन का बहिष्कार किया।

विधान भवन की सीढ़ियों पर संवाददाताओं से बात करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक नितिन राउत, राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट) के जितेंद्र आव्हाड और शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के नेता आदित्य ठाकरे ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए।

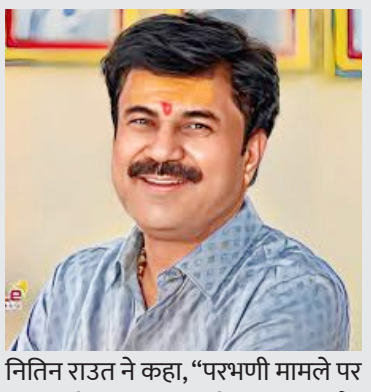

नितिन राउत ने कहा, "परभणी मामले पर मुख्यमंत्री का बयान पूरी तरह झूठ है। पुलिस द्वारा दलित आंदोलनकारियों पर लाठीचार्ज के वीडियो उपलब्ध हैं, फिर भी मुख्यमंत्री ने पुलिस का बचाव किया। बीड़ मामले में भी उन्होंने ऐसा ही किया। हम जवाब देना चाहते थे, लेकिन विधानसभा अध्यक्ष ने बोलने का मौका नहीं दिया।"

जितेंद्र आव्हाड ने आरोप लगाया, "मुख्यमंत्री ने सब कुछ साफ होते हुए भी गोलमोल बातें कीं। इससे स्पष्ट होता है कि वे अपने मंत्री धनंजय मुंडे और उनके साथी वाल्मीकि कराड को बचा रहे हैं। वाल्मीकि एक सीरियल किलर है, और मुख्यमंत्री के बयान ने इस मामले में उनकी और मुंडे की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। लेकिन हम सड़कों पर उतरकर इस लड़ाई को लड़ेंगे।"

आदित्य ठाकरे ने कहा, "मुख्यमंत्री के बयान से यह स्पष्ट है कि सरकार आरोपियों को बचाने की कोशिश कर रही है। लेकिन हम अन्याय के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। महाराष्ट्र को बचाने के लिए हमारा संघर्ष चलता रहेगा।" यहां तक कि भाजपा के बीड़ विधायक सुरेश धस ने भी चिंता व्यक्त की और कहा, "मुंडे पर गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्हें सामने आकर इन आरोपों का जवाब देना चाहिए, बजाय इसके कि वे चुप बैठे रहें।

सगाई में ही शादी संपन्न: समाज के लिए नई मिसाल

अशफाक इनामदार की बेटी का सगाई में ही निकाह

बीड : नगर परिषद के पूर्व सभापति और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के नेता अशफाक इनामदार की बेटी और केज के हेडमास्टर वहाजुद्दीन अंसारी के बेटे डॉ. आकिब अंसारी की सगाई की रस्म अमन लॉन्स में आयोजित की गई थी। लेकिन समारोह के दौरान रिश्तेदारों और पटेल समुदाय के वरिष्ठ सदस्यों ने यह सुझाव दिया कि सगाई के दौरान ही शादी कर दी जाए। दोनों परिवारों ने तुरंत इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया।

महंगाई के इस दौर में, जहां आम लोग आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं, इस प्रकार की शादी ने अनावश्यक खर्च और संसाधनों की बचत में मदद की। दोनों परिवारों ने, इनामदार समुदाय के सदस्यों के साथ मिलकर, सगाई की रस्म में शादी करके समाज के सामने एक सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत किया। इस पहल की हर तरफ प्रशंसा हो रही है।

जमीयत उलेमा-ए-हिंद के जिला अध्यक्ष जनाब मौलाना साबिर रशीदी ने शादी से संबंधित इस्लामी नियमों की व्याख्या की, और बीड़ शहर के काजी, सय्यद फजलुल्लाह ने खुतबा निकाह पढ़ाया ।

इस आदर्श शादी समारोह को सफल बनाने में पूर्व उपमहापौर और एनसीपी नेता फारूक पटेल, पूर्व उपमहापौर मोइन मास्टर, अलहाज जेडी शाह, और पूर्व पंचायत समिति सदस्य हाजी सादिक फारूकी मामा ने विशेष प्रयास किए।

इस समारोह में पूर्व विधायक अमर सिंह पंडित, पूर्व विधायक सैयद सलीम, मौलाना आजाद अल्पसंख्यक निगम के सदस्य शेख तैयब भाई, महाराष्ट्र राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष समीर काजी, एआईएमआईएम के जिला अध्यक्ष शफी भाऊ खूरशीद, आलम, जैतुल्लाह खान, इंजीनियर सादिक इनामदार और अन्य ने भाग लिया। उन्होंने दूल्हा-दुल्हन और उनके परिवारों को बधाई दी और शुभकामनाएं दीं।

प्रमुख उपस्थित लोगों में दूल्हे के पिता काजी वहाजुद्दीन, दुल्हन के पिता अशफाक इनामदार, अवेज इनामदार, पत्रकार, डॉक्टर, वकील, समाजसेवी, राजनीतिक नेता, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में समुदाय के सदस्य शामिल थे।

भारत जोड़ो यात्रा में शामिल शहरी नक्सली संगठनों की सूची

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री से की लिखित मांग

विशेष संवाददाता

मुंबई : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में राज्य और लोकतंत्र के खिलाफ काम करने वाले तथा शहरी नक्सलवाद को बढ़ावा देने वाले कई संगठनों ने हिस्सा लिया, ऐसा आरोप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधानमंडल में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान लगाया। इसके जवाब में महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नाना पटोले ने मुख्यमंत्री फडणवीस को पत्र लिखकर इन शहरी नक्सली संगठनों और उनके प्रमुखों की सूची की मांग की है।

इस पत्र में पटोले ने कहा कि प्रगतिशील महाराष्ट्र में विभिन्न सामाजिक संगठन कई वर्षों से जनता की भलाई, विशेष रूप से राज्य के गरीब और आम नागरिकों के हित के लिए काम कर रहे हैं। ये संगठन राज्य और देश में लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए सक्रिय हैं। कई सामाजिक संगठनों के साथ-साथ बुद्धिजीवियों और वरिष्ठ नागरिकों ने भी भारत जोड़ो यात्रा में भाग लिया। ऐसे संगठनों को नक्सली कहना बेहद अनुचित है।

डॉ. आंबेडकर के अपमा न के खिलाफ संविधान चौक से विधान भवन तक MVA का प्रदर्शन

विशेष प्रतिनिधि

नागपुर, 19 दिसंबर:

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के कथित अपमान के खिलाफ महाविकास आघाड़ी (MVA) के विधायकों ने गुरुवार को नागपुर में जोरदार प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन संविधान चौक से शुरू होकर विधान भवन की सीढ़ियों तक गया, जिसमें शाह और भाजपा के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की गई।

प्रदर्शन की शुरुआत MVA के विधायकों ने संविधान चौक स्थित डॉ. आंबेडकर की पूर्णाकृति प्रतिमा को श्रद्धांजलि देकर की। बाबासाहेब की तस्वीरें लेकर और नारे लगाते हुए सभी विधायक विधान भवन पहुंचे। वहां पहुंचकर उन्होंने "बाबासाहेब का ये अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान" और "जय भीम, जय भीम" जैसे बुलंद नारे लगाए।

भाजपा का महापुरुषों का अपमान

भाजपा की आलोचना करते हुए विजय वडेट्टीवार ने कहा, "चुनाव से पहले और बाद में अपने महापुरुष और देवताओं को बदलना भाजपा का फैशन बन गया है। भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने भारत में समानता का स्वर्ग बनाया। यही कारण है कि हम आंबेडकर का नाम लेते हैं और लेते रहेंगे। संविधान निर्माता बाबासाहेब आंबेडकर, जिन्होंने आम लोगों को उनके अधिकार और न्याय दिया, का अपमान कभी सहन नहीं किया जाएगा।"

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि भाजपा ने डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर का अपमान किया है। यह केवल आंबेडकर का ही नहीं, बल्कि संविधान और देश के नागरिकों का भी अपमान है। वडेट्टीवार ने सवाल उठाया, "देश का हर नागरिक जानता है कि डॉ. आंबेडकर ने देश के लिए क्या किया। बाबासाहेब ने समाज के हर वर्ग को न्याय दिया। अगर हमें अपमान महसूस होता है, तो क्या नीतीश कुमार, रामदास आठवले और भाजपा के अन्य सहयोगी ऐसा महसूस नहीं करते? उन्हें भी सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करना चाहिए।

किसी भी स्थिति में मराठी लोगों पर अन्याय नहीं होगा: मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

जमीर काज़ी

नागपुर: कल्याण की एक हाउसिंग सोसायटी में मराठी निवासियों पर हुए हमले को राज्य सरकार ने गंभीरता से लिया है और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को विधान परिषद में यह बात कही। उन्होंने जोर देकर कहा कि मुंबई मराठी लोगों की है और किसी भी स्थिति में उनके साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

कल्याण की योगीधाम सोसायटी में एक मराठी परिवार पर एमटीडीसी के अधिकारी अखिलेश शुक्ला द्वारा किए गए हमले की घटना ने आक्रोश पैदा कर दिया है। इस घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं। यह मामला विधान परिषद के नियम 289 के तहत सदस्य एडवोकेट अनिल परब द्वारा उठाया गया। चर्चा में शशिकांत शिंदे, भाई जगताप और सचिन अहिर जैसे सदस्यों ने हिस्सा लिया।

चर्चा का उत्तर देते हुए सीएम फडणवीस ने कहा कि अखिलेश शुक्ला और उनकी पत्नी ने झगड़े के दौरान मराठी निवासियों का अपमान किया। इस मामले में खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है और शुक्ला, जो एमटीडीसी के कर्मचारी हैं, को निलंबित करने की प्रक्रिया चल रही है।

उन्होंने आगे कहा, "महाराष्ट्र और मुंबई मराठी लोगों की है। चूंकि मुंबई वित्तीय राजधानी है, देशभर से प्रतिभाएं यहां आती हैं और शांति से रहती हैं। उत्तर प्रदेश से आए कई लोग न केवल धाराप्रवाह मराठी बोलते हैं बल्कि मराठी त्योहार भी मनाते हैं। लेकिन इस तरह की घटनाएं सामाजिक सद्भाव को नुकसान पहुंचाती हैं।"

सीएम फडणवीस ने इस बात पर जोर दिया कि संविधान ने हर व्यक्ति को अपने जीवन के तरीके, जिसमें भोजन की आदतें भी शामिल हैं, चुनने की स्वतंत्रता दी है। किसी को भी इसमें हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने आश्वासन दिया कि भेदभाव या उत्पीड़न की किसी भी शिकायत को सख्ती से निपटाया जाएगा।

उन्होंने कहा, "देश की विविधता को बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है। मराठी होने पर हमें गर्व है और इस गर्व को चोट पहुंचाने का कोई भी प्रयास सहन नहीं किया जाएगा। ऐसी घटनाओं पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।"

कोई कितना भी प्रभावशाली हो, कार्रवाई होगी: अजीत पवार

हमले और अन्याय की घटना को गंभीरता से लेते हुए उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने विधान सभा में कहा, "महाराष्ट्र शिवाजी, शाहू, फुले और आंबेडकर की भूमि है। यहां अगर कोई मराठी लोगों के साथ अन्याय करता है, तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिकारी चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा। उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।" योगीधाम सोसायटी में मराठी व्यक्ति पर हमले और अन्याय का मामला ठाकरे गुट के विधायक सुनील प्रभु ने 'पॉइंट ऑफ इंफॉर्मेशन' के माध्यम से विधानसभा में उठाया।

संसद को सुचारू रूप से चलाने की जिम्मेदारी सरकार की होती है : सुप्रिया सुले, बीड के गूंडा पर भी चर्चा

नई दिल्ली : एनसीपी-एसपी की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने कहा है कि संसद को सुचारू रूप से चलाने की जिम्मेदारी सरकार की होती है। सरकार को बहस कराने की पहल करनी चाहिए, लेकिन दुर्भाग्यवश वह इस जिम्मेदारी को निभाने में असफल रही है।

संसद परिसर में मीडिया से बात करते हुए सुप्रिया सुले ने कहा कि संसद के सत्रों में राज्य, देश और विदेश से संबंधित मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा, "हम इसलिए संसद में जाते हैं, लेकिन जब हंगामा होता है और बहस नहीं होती, तो यह बहुत निराशाजनक होता है।" उन्होंने जोर दिया कि मजबूत लोकतंत्र में विपक्ष को प्रदर्शन करने का अधिकार है, लेकिन इस बार सत्तारूढ़ पार्टियां भी प्रदर्शन करती नजर आ रही हैं।

उन्होंने कहा, "विचारों में मतभेद होना सामान्य है और इसमें कुछ भी गलत नहीं है, लेकिन एक मजबूत लोकतंत्र में संसद में बहस अवश्य होनी चाहिए।" सुले ने कांग्रेस कार्यालय पर हमले की घटना पर भी चिंता व्यक्त की और इसे बेहद

परेशान करने वाला बताया। उन्होंने कहा, "महाराष्ट्र में हमने कभी ऐसी गुंडागर्दी नहीं देखी। हम ऐसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं करेंगे। सवाल उठता है कि क्या महाराष्ट्र में कानून का राज है या नहीं?"

एनसीपी-एसपी की कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि कानून और व्यवस्था का मुद्दा राज्य में अस्थिरता पैदा कर रहा है। उन्होंने कहा, "हमले, हत्या और आतंकवाद की घटनाएं बार-बार हो रही हैं। हाल ही में कल्याण में हुई घटना ने एक बार फिर मराठी और गैर-मराठी के विवाद को भड़काने का काम किया है। महायुति सरकार को भारी जनादेश मिला है, लेकिन अब तक राज्य में गृह मंत्री की नियुक्ति नहीं हुई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को तुरंत कार्रवाई करते हुए इस स्थिति को संभालना चाहिए।"

सुप्रिया सुले ने बीड़ जिले के मसाजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के मामले का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों का तबादला करने से समस्या का समाधान नहीं होगा। "मामले की गहराई से जांच होनी चाहिए कि क्या पुलिस अधिकारियों पर किसी का दबाव था। इसके अलावा, इस मामले में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। बार-बार वर्दीधारी अधिकारियों पर कार्रवाई करना और साजिश के असली मास्टरमाइंड को आजाद छोड़ देना सही नहीं है," उन्होंने कहा।

सुले ने महाराष्ट्र में कानून और व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति की आलोचना करते हुए कहा, "हत्या, हमले और आतंकवाद की घटनाएं सामान्य होती जा रही हैं। बारामती में एक और हत्या हुई है, जो पिछले कुछ दिनों में तीसरी घटना है। यह बेहद गंभीर

संतोष देशमुख के बच्चों की शिक्षा की जिम्मेदारी सरकार उठाए: डॉ. ज्योति मेटे

बीड (प्रतिनिधि) : मसाजोग के युवा सरपंच संतोष देशमुख के मामले में महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री ने विधानसभा सत्र के दौरान आरोपियों पर मकोका लगाने, एसआईटी जांच और न्यायिक जांच की घोषणा की। यह घोषणा महाराष्ट्र के गृहमंत्री के रूप में उनकी संवेदनशीलता को दर्शाती है। मुख्यमंत्री ने देशमुख के परिवार को आर्थिक मदद देने की भी घोषणा की। इन कदमों के लिए शिवसंग्राम की अध्यक्ष डॉ. ज्योति विनायक राव मेटे ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए सरकार से सीधे

अपील की है कि वह संतोष देशमुख के बच्चों की शिक्षा की जिम्मेदारी उठाए।

संतोष देशमुख के निधन के बाद उनका परिवार अपने घर के एकमात्र कमाने वाले सदस्य को खो चुका है, जिससे उनके भविष्य में कई समस्याएं खड़ी होंगी। पूरा परिवार संतोष देशमुख पर निर्भर था, और अब उनकी मृत्यु के कारण उनके बच्चों की शिक्षा का सवाल गंभीर रूप से खड़ा हो गया है। डॉ. ज्योति मेटे ने सरकार से अपील की है कि इस मामले को विशेष मामला मानते हुए संतोष देशमुख के बच्चों की शैक्षणिक खर्चों की व्यवस्था की जाए। उन्होंने अनुरोध किया है कि बच्चों की स्कूल फीस और अन्य संबंधित खर्चों को वहन करने के लिए सरकार विशेष प्रावधान करे ताकि उनकी शिक्षा में कोई

जयपुर में LPG टैंकर में ब्लास्ट, 12 जिंदा जले:ट्रक की टक्कर से आग लगी, 200 फीट ऊंची लपटें उठीं; बचने का मौका नहीं मिला

जयपुर : जयपुर में शुक्रवार सुबह LPG गैस से भरे टैंकर में ब्लास्ट होने से 12 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 32 लोग झुलस गए, जिनमें कई गंभीर हैं।

जानकारी के मुताबिक भारत पेट्रोलियम का टैंकर अजमेर से जयपुर की तरफ आ रहा था। सुबह करीब 5:44 बजे दिल्ली पब्लिक स्कूल के सामने टैंकर ने यू-टर्न लिया। इसी समय जयपुर से आ रहे ट्रक ने उसे टक्कर मार दी।

गेल इंडिया लिमिटेड के DGM (फायर एंड सेफ्टी) सुशांत कुमार सिंह ने बताया कि टक्कर से टैंकर के 5 नोजल टूट गए और 18 टन गैस लीक हो गई।

लीक हुई गैस में आग लगी और इतना जोरदार धमाका हुआ कि 200 मीटर का इलाका आग के गोले में तब्दील हो गया। धमाके की आवाज डेढ़ किलोमीटर तक सुनाई दी।

गेल अधिकारियों ने बताया कि ट्रक के टकराने से गैस टैंकर के 5 नोजल टूट गए। इसके बाद करीब 18 टन गैस तेजी से निकली, जो बादल जैसी दिखी और कुछ सेकेंड बाद धमाका हो गया।

गेल अधिकारियों ने बताया कि ट्रक के टकराने से गैस टैंकर के 5 नोजल टूट गए। इसके बाद करीब 18 टन गैस तेजी से निकली, जो बादल जैसी दिखी और कुछ सेकेंड बाद धमाका हो गया।

लोग बचने के लिए भागे, लेकिन आग में घिर गए

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग लगते ही लोग गाड़ियों से उतरकर इधर-उधर भागे। कई लोगों को बाहर निकलने का मौका ही नहीं मिला और वे जिंदा जल गए।

जो लोग किसी तरह बाहर निकल पाए, वे जलते हुए कपड़ों के साथ सड़क पर इधर-उधर भागने लगे। तस्वीरों में आग से बचने की कोशिश करते लोग देखे जा सकते हैं।

आग इतनी तेजी से फैली कि 40 से ज्यादा गाड़ियां उसकी चपेट में आ गईं। टैंकर के ठीक पीछे चल रही एक स्लीपर बस और हाईवे किनारे मौजूद पाइप फैक्ट्री भी जल गई।

एक्सीडेंट की वजह से बस का दरवाजा एक ट्रक से चिपक गया। इस कारण उसमें सवार 34 लोगों को बाहर निकलने की जगह ही नहीं मिली। बड़ी मुश्किल से ड्राइवर वाले गेट से लोगों को बाहर निकाला गया।

इस बस में सवार 19 से ज्यादा लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। आग बुझने के बाद कई शवों को पोटली में डालकर अस्पताल ले जाया गया।

हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने घायलों की सुध ली। इसके बाद फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस और पुलिस भी पहुंच गई। इन्होंने लोगों को संभाला और उन्हें घटना स्थल से 15 किलोमीटर दूर सवाई मान सिंह अस्पताल पहुंचाया।

एक्सीडेंट के बाद हाईवे पर जली हुई गाड़ियां खड़ी हुई थीं। इस वजह से हाईवे पर आवाजाही बंद हो गई। धमाके के बाद इलाके में गैस फैलने से रेस्क्यू में काफी परेशानी आई। दोपहर तक दमकलें जली हुई गाड़ियों और आसपास के इलाकों में लगी आग बुझाती रहीं। वहीं एहतियातन दिनभर पूरे इलाके में बिजली सप्लाई भी बंद रखी गई।

मुख्यमंत्री घटनास्थल पहुंचे, पीड़ितों को 5-5 लाख रुपए की मदद

घटना के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा घायलों से मिलने सवाई मान सिंह अस्पताल पहुंचे और इसके बाद घटनास्थल का जायजा भी लिया। उन्होंने पूरे हादसे की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं।

मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राहत कोष से दो-दो लाख और राज्य सरकार ने 5-5 लाख रुपए देने का ऐलान किया है.

शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत के बंगले की रेकी

मुंबई : महाराष्ट्र में शिवसेना (उद्धव) के नेता और राज्य सभा सांसद संजय राउत के बंगले की रेकी किए जाने का दावा किया गया है। बंगले पर तैनात कर्मचारियों ने शुक्रवार को भांडुप पुलिस थाने में शिकायत की।

पुलिस के मुताबिक शुक्रवार सुबह 9 बजे संजय के बंगले (मैत्री) पर बाइक सवार दो लोग पहुंचे। दोनों ने बंगले के कुछ फोटो खींचे, कुछ देर वहां रुके और चले गए।

बंगले की सुरक्षा में तैनात कर्मचारियों और अन्य लोगों ने बाइक सवारों देखा तो इसकी जानकारी संजय के भाई सुनील राउत को दी। वे इलाके के विधायक हैं।

जानकारी मिलने पर पुलिस को बंगले पर पहुंची। वहां लगे सीसीटीवी में बाइक सवार नजर आए हैं। पुलिस ने कहा- मामले की जांच शुरू की गई है। फिलहाल केस दर्ज नहीं कराया गया है।

पुलिस ने कहा कि जांच में कुछ गंभीर पाया जाता है तो केस दर्ज किया जाएगा। संजय राउत उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना के सीनियर लीडर हैं। 2022 में । वे पार्टी के प्रमुख प्रवक्ता भी हैं।

राजनीति में आने से पहले संजय क्राइम रिपोर्टर थे, वे शिवसेना की सामना मैगजीन के संपादक भी हैं।राजनीति में आने से पहले संजय क्राइम रिपोर्टर थे, वे शिवसेना की सामना मैगजीन के संपादक भी हैं।राजनीति में आने से पहले संजय राउत क्राइम रिपोर्टर हुआ करते थे। लोकप्रभा पत्रिका से करियर की शुरुआत करने वाले संजय राउत को अंडरवर्ल्ड रिपोर्टिंग का एक्सपर्ट माना जाता था। दाऊद इब्राहिम, छोटा राजन और अंडरवर्ल्ड पर लिखी उनकी रिपोर्ट्स की मुंबई में खूब चर्चा हुआ करती थी।

भोपाल के जंगल में कार में 52kg सोना मिला:11 करोड़ कैश बरामद, जिस आरटीओ के पूर्व आरक्षक पर छापा पड़ा, उसके दोस्त की निकली कार

भोपाल : आयकर विभाग को भोपाल के मेंडोरी के जंगल में गुरुवार देर रात एक कार से 52 किलो सोना मिला। इसके अलावा, 11 करोड़ रुपए कैश भी बरामद हुए हैं। कार एक मकान के बाहर लावारिस हालत मिली। सोने की कीमत करीब 40 करोड़ 47 लाख रुपए आंकी गई है। अभी ये स्पष्ट नहीं है कि ये सोना और कैश किसका है।

आयकर विभाग (IT) को यह बड़ी कामयाबी मध्यप्रदेश में रियल एस्टेट कारोबारियों पर रेड के बीच मिली है। आयकर विभाग ने दो दिन में भोपाल और इंदौर में 51 ठिकानों पर छापेमारी की है।

अब यह पता लगाया जा रहा है कि सोना और कैश का कनेक्शन बिल्डर्स और RTO के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा के यहां चल रही कार्रवाई से तो नहीं है। जिस कार से सोना और कैश मिला है वह चेतन गौर नाम के व्यक्ति की बताई जा रही है।

इनोवा कार पूरी तरह से लॉक थी। ऐसे में आयकर अफसरों की टीम ने साथ पहुंचे गनमैन की गन के बट से कार का शीशा तोड़ना पड़ा। बैग बाहर निकालकर खोला तो गोल्ड और कैश देखकर सभी हैरान रह गए। फिर इनकी गिनती

कर कब्जे में लिया गया।

सोना किसका है, अफसर पता लगा रहे

आयकर विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम अब यह पता कर रही है कि ये सोना किसका है और कहां ले जाया जा रहा था? अभी तक इसकी सीधा कनेक्शन किसी से नहीं जुड़ा है। अभी इस सोने और कैश पर किसी ने अपना दावा नहीं किया है। माना जा रहा है कि

यह कार किसी आरटीओ अफसर के यहां अटैच रही होगी और छापे की आशंका के मद्देनजर से छिपाकर सुनसान स्थान में खड़ा किया गया था।

इस बीच, आयकर विभाग की जांच में खुलासा हुआ है कि कार चेतन गौर की है। चेतन लोकायुक्त पुलिस के छापे की जद में आए सौरभ शर्मा का दोस्त है। बताया जा रहा है कि जब आयकर विभाग के अफसरों ने चेतन गौर

से इस मामले में पूछताछ की तो उसने कहा कि सोना और पैसा कहां से आया और किसका है, इसकी उसे जानकारी नहीं है। उसने ये जरूर माना कि वह आरटीओ के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा का दोस्त है। सौरभ के घर और ऑफिस पर लोकायुक्त ने 19 दिसंबर को रेड डाली थी। 2.85 करोड़ रुपए मिले थे।

जमीन में गाड़ रखी थी 2 क्विंटल चांदी:भोपाल में टाइल्स उखाड़कर निकाली 200 सिल्लियां

गुरुवार को लोकायुक्त की टीम ने आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा के घर और दफ्तर पर छापा मारा था। उनके घर से चांदी की सिल्लियां मिली है।

गुरुवार को लोकायुक्त की टीम ने आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा के घर और दफ्तर पर छापा मारा था। उनके घर से चांदी की सिल्लियां मिली है।

लोकायुक्त की टीम ने 19 दिसंबर सुबह रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिस (आरटीओ) के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा के भोपाल में अरेरा कॉलोनी स्थित घर पर छापा मारा। यहां से 1.15 करोड़ रुपए कैश, आधा किलो सोना, हीरे और सोने के करीब 50 लाख रुपए के जेवरात और चांदी की सिल्लियां सहित प्रॉपर्टी के दस्तावेज मिले हैं। शर्मा के ऑफिस से **1.70 करोड़ रुपए कैश सहित प्रॉपर्टी के दस्तावेज मिले हैं।**

आयकर विभाग को इस मामले में पूर्व मुख्य सचिव के अलावा प्रमुख सचिव स्तर के कुछ अधिकारियों के शामिल होने का अंदेशा है। आयकर विभाग में पिछले कुछ महीनों में नए अफसरों की पोस्टिंग हुई है। इसके बाद मध्यप्रदेश में बड़ा एक्शन लिया गया है। नए अधिकारियों की टीम अभी कुछ और बड़े खुलासे भी करने वाली है।

भोपाल और इंदौर में 51 ठिकानों पर छापेमारी

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने दो दिन पहले 18 दिसंबर को त्रिशूल कंस्ट्रक्शन, क्वालिटी ग्रुप और ईशान ग्रुप के भोपाल, इंदौर के 51 ठिकानों पर छापेमारी की थी। इसमें सबसे ज्यादा 49 ठिकाने भोपाल के शामिल थे। इनमें IAS, IPS और राजनेताओं की पसंद वाले नीलबड़, मेंडोरी और मेंडोरा जैसे इलाके शामिल थे।

कांग्रेस ने कहा- छोटी की बजाय बड़ी मछलियां पकड़े

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि 52 किलो सोना तो बहुत छोटा मामला है। मैं समझता हूं कि रियल एस्टेट की प्रॉपर्टी खंगाली जाए तो कई क्विंटलों में सोना निकलेगा। कई हजार करोड़ की जमीनें निकलेंगी। उन्होंने बिल्डर राजेश शर्मा को लेकर कहा कि सब जानते हैं राजेश शर्मा किसके खास थे। सबको मालूम है इकबाल सिंह बैंस के खास थे और इकबाल सिंह बैंस किसके खास थे, शिवराज सिंह चौहान के।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com